



भारत का यातापत्र



The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं• 225]

नई दिल्ली, शक्तिवार, जन 6, 1986/ज्येष्ठ 16, 1908

No. 2251

NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 6, 1986/JYAISTHA 16, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दो जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में देखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 6 जून, 1986

आदेश

का. आ. 344 (अ) · केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का आ. 64(अ), तारीख 10 नवम्बर, 1978 द्वारा जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है। वैस्ट बंगाल फारोस्ट्रॉटिकल एड फाइटोकमिकल डेलपमेंट कारपोरेशन लि. इलाको हाउस (द्विसीरी मंजिल) 1 और 3 ब्रावोनर्स रोड, कलकत्ता-700001 को (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्राधिकृत व्यक्ति कहा गया है) मै. डा. पाल लोहमेन (इंडिया) लि. कलकत्ता नामक संपूर्ण औद्योगिक उपकरण (जिसे इसके पश्चात् उक्त औद्योगिक उपकरण कहा गया है) का प्रबन्ध 10 नवम्बर, 1978 से प्रारंभ होने वाली तीन वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया गया था।

और केन्द्रीय सरकार ने भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के ग्रादेश सं. का. आ. 793 (अ), तारीख 9 नवम्बर, 1981, सं. का. आ. 312 (अ) तारीख 18 मई, 1982 सं. का. आ. 789 (अ) तारीख 9 नवम्बर, 1982 सं. का. आ. सं. 801 (अ) तारीख 10 नवम्बर, 1983 सं. का. आ. 364 (अ) तारीख 8 मई,

1984 सं. का. आ. 825 (अ) तारीख 9 नवम्बर, 1984 सं. का. आ 926 (अ), तारीख 7 दिसम्बर, 1984 और सं. का. आ. 104 (अ) तारीख 8 फरवरी, 1985 और सं. का. आ 896 (अ) तारीख 8 अगस्त, 1985 तथा सं. का. आ. 730 (अ) तारीख 8 अक्टूबर, 1985 सं. का. आ. 108 (अ) तारीख 9 अप्रैल, 1986 सं. का. आ. 205 (अ) तारीख 23 अप्रैल, 1986 सं. का. आ. 247 (अ) तारीख 8 मई, 1986 तथा का. आ. 303 दिनांक 26 मई, 1986 द्वारा उड्डोग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की द्वारा 18 चक के अधीन कलकत्ता उच्च न्यायालय की अनुमति से उक्त प्रधिकृत व्यक्ति को उक्त अद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध 4 जून, 1986 तक, जिसमें यह तारीख सम्मिलित है, सात वर्ष, सात माह की अवधि के लिए करते रहने के लिए समय-समय पर निवेश दिये थे,

और केन्द्रीय सरकार ने अपनी शैँह राय होने पर कि जनसाधारण के हित में समीचोन था कि उक्त प्राधिकृत व्यक्ति उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध सात वर्ष सात माह की अवधि की समाप्ति के पश्चात् करता रहे, उक्त अधिनियम की धारा 18चक की उपचारा (2) के परन्तुके अधीन कलकत्ता उच्च न्यायालय को आवेदन किया था और उससे ऐसे प्रबन्ध को छह माह की और अवधि के लिए बनाये रखने की प्रार्थना की थी।

और उक्त उच्च न्यायालय के, अपने आदेश तारीख 4 जून, 1986 द्वारा उक्त प्राधिकृत व्यक्ति को उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध 11 दिन की और अवधि के लिए करते रहने की अनुमति दी थी।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 18चक की उपधारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त गवितयों का प्रयोग करते हुए यह निदेश देता है कि उक्त आदेश 11.1.1 तक की, जिसमें 20 जून 1986 की तारीख भी सम्मिलित है, आर अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा ।

[फा. सं. 4 (2)/80 - सी. यूएस]
ब्रजेन्द्र सहाय, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 6th June, 1986

ORDER

S.O. 344(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 641(E), dated the 10th November, 1978 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government had authorised the West Bengal Pharmaceutical and Phytochemical Development Corporation Limited, Ilaco House, (2nd Floor), 1 and 3, Barabourne Road, Calcutta-700001, (hereinafter referred to as the said authorised person), to take over the management of the whole of the industrial undertaking known as Messrs Dr. Paul Lohmann (India) Limited, Calcutta (hereinafter referred to as the said industrial undertaking) for a period of three years commencing on the 10th November, 1978 ;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) Nos. S.O. 793 (E), dated the 9th November, 1981, S.O. 312(E), dated the 8th May, 1982, S.O. 789(E), dated the 9th November, 1982, S.O. 801(E), dated the 10th November, 1983, S.O. 364(E), dated the 8th May, 1984, S.O. 824(E),

dated the 9th November, 1984, S.O. 926(E), dated the 7th December, 1984, S.O. 104(E), dated the 8th February, 1985, S.O. 596(E), dated the 8th August, 1985, S.O. 730(E), dated the 8th October, 1985, S.O. 180(E), dated the 9th April, 1986, S.O. 205(E), dated 23rd April, 1986, S.O. 247(E), dated the 8th May, 1986, and S.O. 303(E), dated the 26th May, 1986, the Central Government, with the permission of the High Court at Calcutta under Section 18 FA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) had from time to time directed the said authorised person to continue to manage the said industrial undertaking for a period of seven years and seven months, upto and inclusive of the 9th June, 1986.

And, whereas, the Central Government, being of the opinion that it was expedient in the interest of the general public that the said authorised person should continue to manage the said industrial undertaking after the expiry of the said period of seven years and seven months, made an application under the proviso to sub-section (2) of Section 18FA of the said Act to the High Court at Calcutta praying for the continuance of such management for a further period of six months ;

And, whereas, the said High Court, by its order dated the 4th June, 1986 permitted the said authorised person to continue to manage the said Industrial Undertaking for a further period 11 days.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of section 18FA of the said Act, the Central Government hereby directs that the said order shall continue to have effect for a further period of eleven days upto and inclusive of the 20th June, 1986.

[File No. 4(2)80-CUS]
B. SAHAI, Joint Secy.